भारत सरकार

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्याः 3082

उत्तर देने की तारीख 19 मार्च, 2026 (गुरूवार)

28 फाल्गुन, 1947 (शक)

प्रश्न

एनईआर के उत्पादों का प्रचार करना

3082 **श्रीमती सुधा मूर्तीः**

क्या **उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने उत्तर पूर्वी क्षेत्र (एनईआर) के राज्यों के उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए पुरबाश्री एम्पोरिया की ब्रांडिंग, बाजार में स्थिति निर्धारण और राष्ट्रीय पहुंच की समीक्षा की है;

(ख) क्या इस क्षेत्र के कारीगरों और उत्पादकों के लिए बाजार पहुंच में सुधार लाने के लिए प्रमुख महानगरों में पुरबाश्री बिक्री केंद्रों की संख्या बढ़ाने के लिए कोई कदम उठाए जा रहे हैं; और

(ग) क्या देश भर में उत्तर पूर्वी उत्पादों की उपस्थिति और बिक्री बढ़ाने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म और पर्यटन संबंधों को मजबूत करने के उपायों पर विचार किया जा रहा है?

उत्तर

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास राज्य मंत्री

(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) और (ख) भारत सरकार उत्तर पूर्वी हस्तशिल्प और हथकरघा विकास निगम लिमिटेड (एनईएचएचडीसी), जो उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम है, के माध्यम से उत्तर पूर्वी क्षेत्र के प्रामाणिक हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए पुरबाश्री एम्पोरिया की ब्रांडिंग, बाजार में स्थापित होने और पहुंच की समय-समय पर समीक्षा करती है। इन प्रयासों के भाग के रूप में, एनईएचएचडीसी ने प्रदर्शनियों, शिल्प बाजारों और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों में भागीदारी के माध्यम से उत्पादों की ब्रांडिंग को सुदृढ़ करने, प्रत्यक्ष व्यापार में सुधार करने, खुदरा बिक्री के स्थानों को अपग्रेड करने और ग्राहकों का जुड़ाव बढ़ाने के उपाय किए हैं। निगम उत्तर पूर्वी क्षेत्र के उत्पादों की राष्ट्रीय स्तर पर मौजूदगीऔर पहुंच में सुधार करने के लिए अपने ई-कॉमर्स पोर्टल (Purbashree.com) सहित डिजिटल प्लेटफॉर्म का भी उपयोग कर रहा है और प्रमुख ऑनलाइन मार्केटप्लेस पर उत्पादों को शामिल कर रहा है। इन पहलों का उद्देश्य 'पुरबाश्री' को एक ऐसे मान्यताप्राप्त ब्रांड के रूप में स्थापित करना है, जो उत्तर-पूर्वी राज्यों की अनूठी विरासत, शिल्प कौशल और सांस्कृतिक पहचान का प्रतिनिधित्व करता हो। वर्तमान में, एनईएचएचडीसी नई दिल्ली, गुवाहाटी, कोलकाता और चेन्नई सहित कई प्रमुख स्थानों पर 'पुरबाश्री एम्पोरिया' का संचालन

कर रहा है। 'पुरबाश्री एम्पोरिया' के अलावा, एनईएचएचडीसी देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित होने वाली विभिन्न प्रदर्शनियों, व्यापार मेलों आदि में भागीदारी के माध्यम से भी उत्पादों का प्रचार-प्रसार करता है।

(ग) भारत सरकार ने उत्तर पूर्वी क्षेत्र के हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों के प्रचार और विपणन के लिए डिजिटल प्लेटफार्मों और पर्यटन संबंधों को सुदृढ़ करने के लिए एनईएचएचडीसी के माध्यम से कई पहल की हैं। एनईएचएचडीसी ने इस क्षेत्र के प्रामाणिक हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों के ऑनलाइन विपणन और राष्ट्रव्यापी पहुंच को सक्षम करने के लिए अपना समर्पित ई-कॉमर्स पोर्टल (Purbashree.com) शुरू किया है। इसके अलावा, एनईएचएचडीसी ने भारत और विदेशों में कारीगरों और बुनकरों के लिए बाजार पहुंच का विस्तार करने के लिए जेम,अमेज़न,फ्लिपकार्ट,इंडियामार्ट, ट्रेडइंडिया, गोकूप और ओएनडीसी जैसे प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों पर अपने उत्पादों को शामिल किया है। इन डिजिटल पहलों का उद्देश्य स्वदेशी उत्पादों की मौजूदगी बढ़ाना तथा कारीगरों और उपभोक्ताओं के बीच सीधा बाजार संपर्क स्थापित करना है। पर्यटन संबंध को मज़बूत करने के लिए, एनईएचएचडीसी 'पुरबाश्रीएम्पोरिया', प्रदर्शनियों, शिल्प बाज़ारों और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मेलों में भागीदारी के माध्यम से पूर्वोत्तर क्षेत्र के शिल्पों को बढ़ावा देता है, जिससे पर्यटकों और खरीदारों को प्रामाणिक क्षेत्रीय उत्पाद उपलब्ध हो पाते हैं।

*****